Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 4

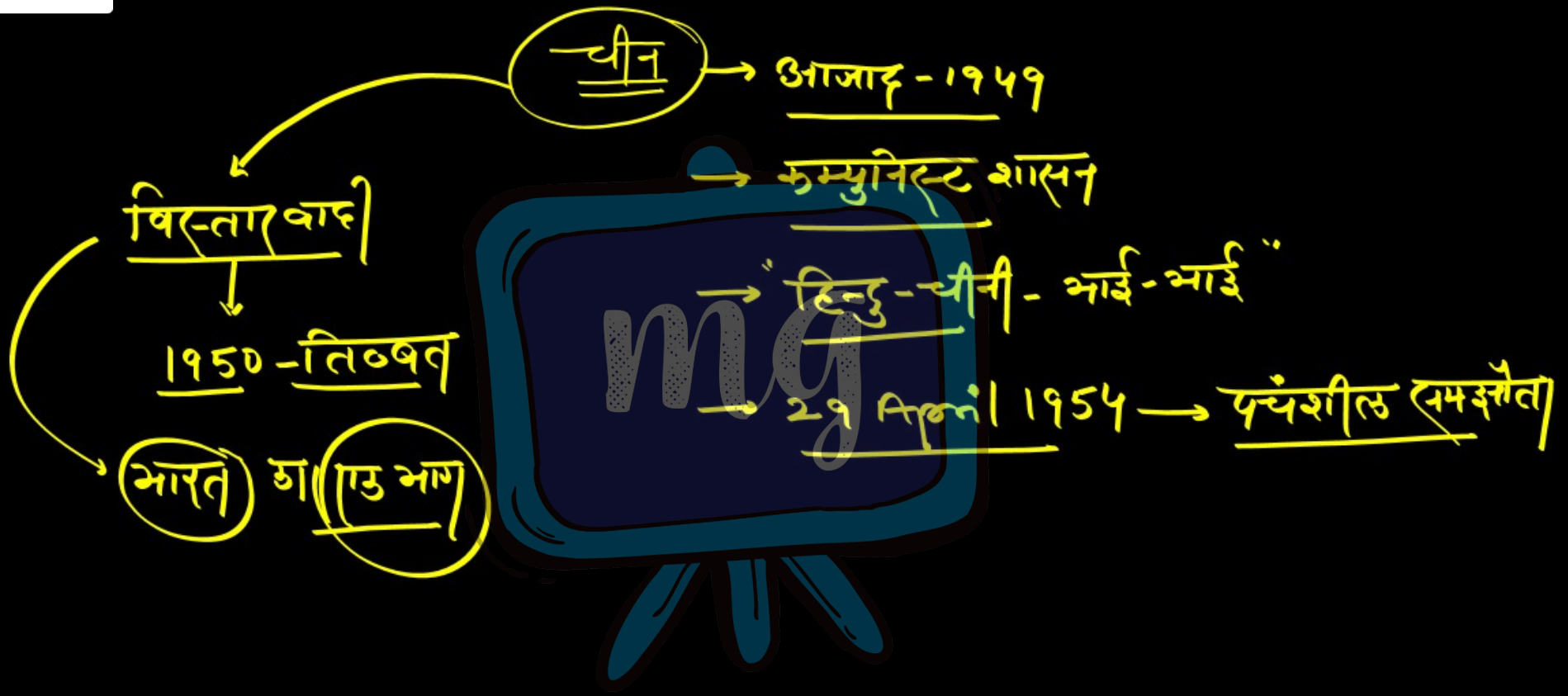
भारत के विदेश संबंध

भाग - 3

Satyaveer Yadav

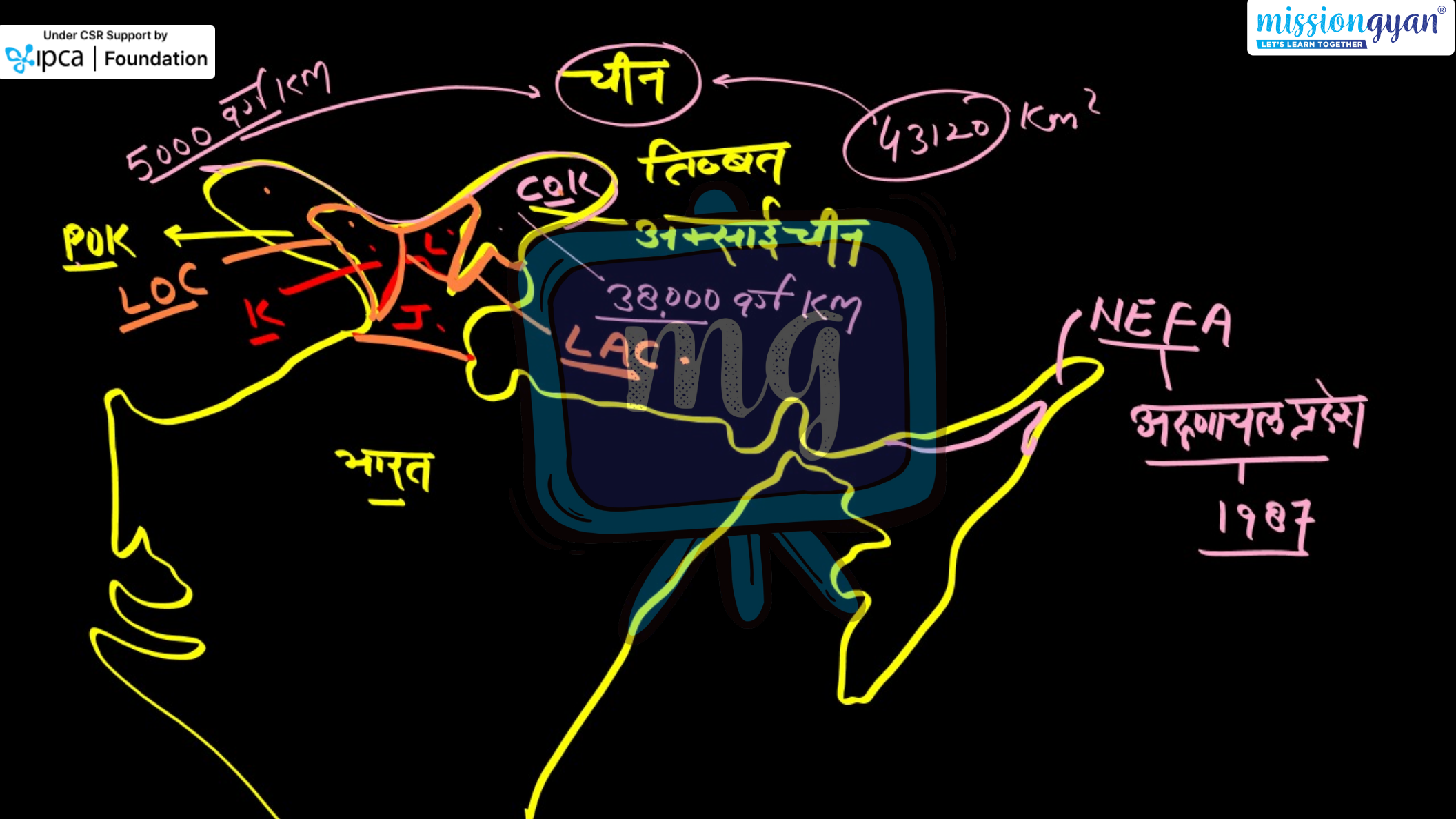
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



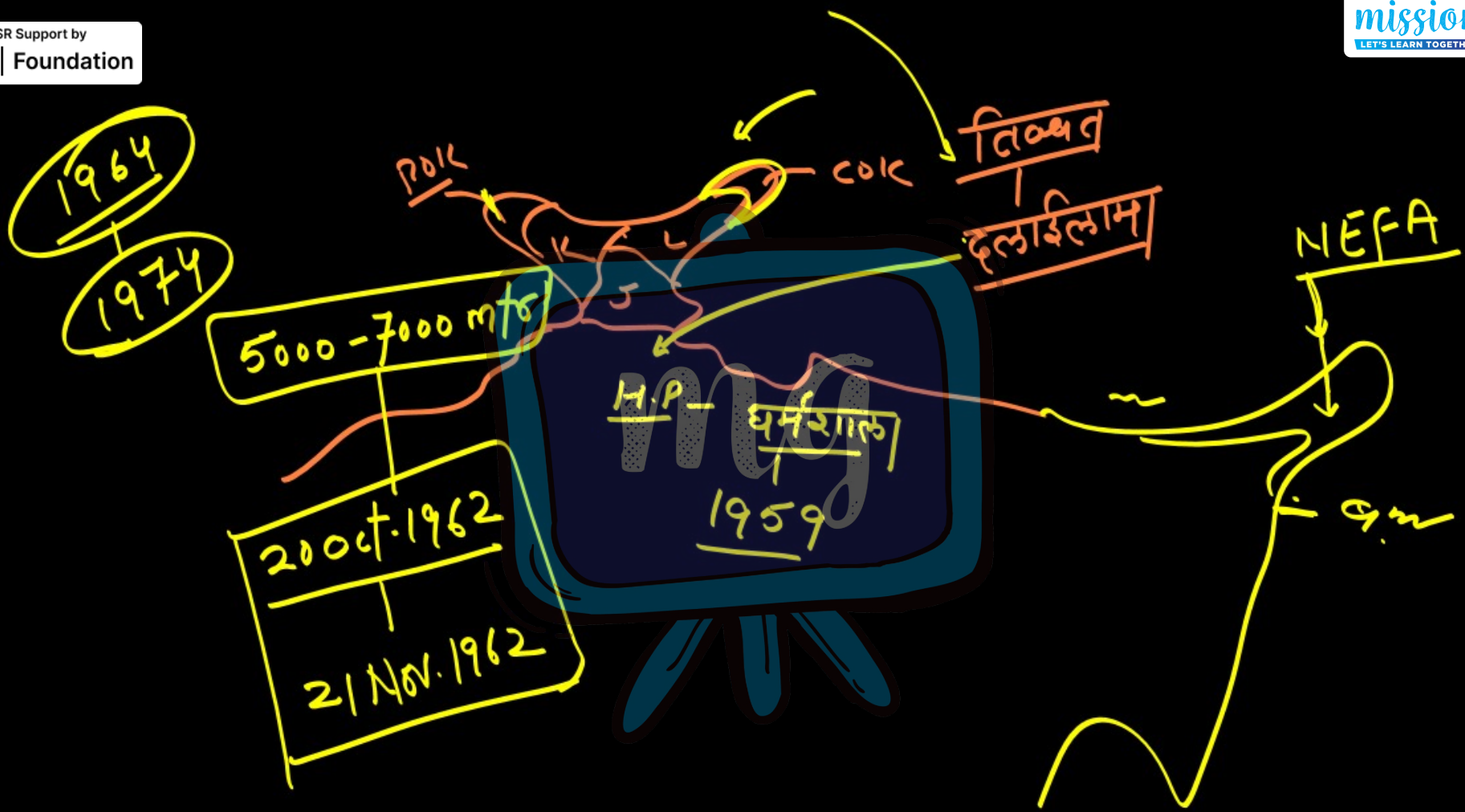
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

चीन का आक्रमण (1962)

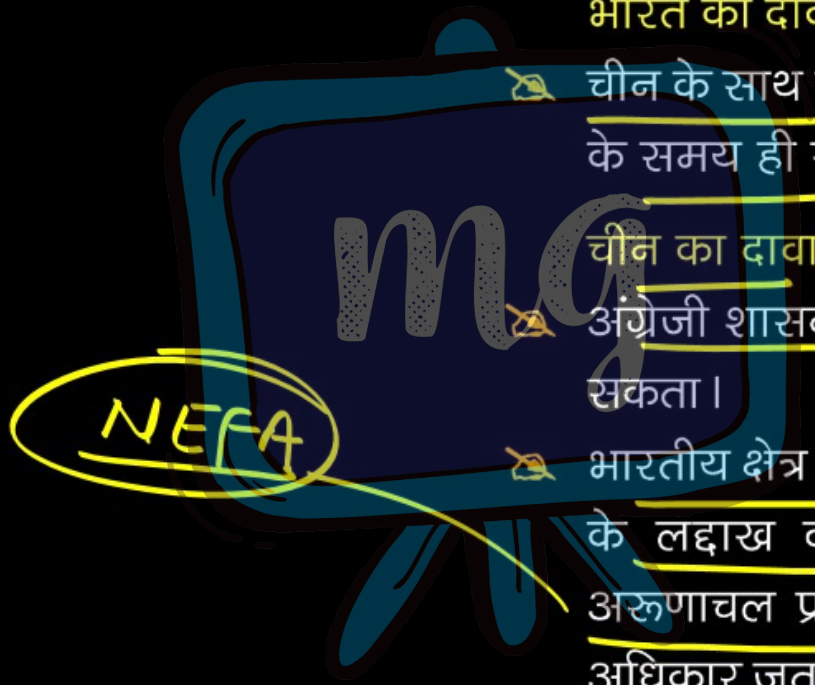
दलाई लामा को शरण :-

- चीन ने 1950 में तिब्बत पर कब्जा किया।
- शुरू में भारत सरकार ने खुल कर विरोध नहीं किया।
- 1958 में चीनी आधिपत्य के विरुद्ध तिब्बत में सत्रास्त्र विद्रोह हुआ। इसे चीनी सेनाओं ने दबा दिया।
- तिब्बत के धार्मिक नेता दलाई लामा ने भारत से राजनीतिक शरण मांगी।
- 1959 में भारत ने उन्हें शरण दे दी।
- चीन का आरोप - भारत सरकार अंदरूनी तौर पर चीन विरोधी गतिविधियों को हवा दे रही है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत-चीन सीमा विवाद



भारत का दावा :-

- चीन के साथ सीमा रेखा का मामला अंग्रेजी शासन के समय ही सुलझाया जा चुका है।

चीन का दावा :-

- अंग्रेजी शासन के समय का फैसला नहीं माना जा सकता।
- भारतीय क्षेत्र में पड़ने वाले दो इलाकों जम्मू-कश्मीर के लद्दाख वाले हिस्से के अक्साइ-चीन और अरूणाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों पर अपना अधिकार जताया।
- 1957 से 1959 के बीच चीन ने अक्साई चीन इलाके पर कब्जा किया और इस इलाके में अपनी रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए एक सड़क बनायी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चीन का आक्रमण



- अक्टूबर 1962 में चीन ने दोनों विवादित क्षेत्रों पर बड़ी तेजी से तथा व्यापक स्तर पर हमला किया।
- चीनी सेना ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ महत्वपूर्ण इलाकों पर कब्जा कर लिया।
- हमले का अगला दौर नवंबर में शुरू हुआ।
- लद्दाख से लगे पश्चिमी मोर्चे पर भारत ने बढ़त रोकी पर पूर्व में चीनी सेना आगे बढ़ते हुए असम के मैदानी हिस्से के प्रवेश द्वार तक पहुंच गयी।
- आखिरकार चीन ने युद्ध विराम घोषित किया और चीनी सेनाएं उस मुकाम तक लौट गई जहां वे हमले से पहले तैनान थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अविश्वास प्रस्ताव - विपक्ष द्वारा
पास होने
पर सरकार
गिर जाती थी
- 1963 - नेहरूजी के खिलाफ
J.B. कृपलानी
सत्ता पक्ष के विरुद्ध

युद्ध के बाद

- भारत की छवि को देश विदेश दोनों ही जगह धक्का लगा।
- इस संकट से उबरने के लिए भारत को अमरीका और ब्रिटेन दोनों से ही सैन्य मदद की गुहार लगानी पड़ी।
- कुछ प्रमुख सैन्य कमांडरों ने या तो इस्तीफा दे दिया या अवकाश ग्रहण कर लिया।
- तात्कालिक रक्षामंत्री वी.के. कृष्णमेनन को मंत्रिमंडल छोड़ना पड़ा।
- पहली बार सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया।
- इसके तुरंत बाद कुछ उपचुनावों में कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

CPI-M

- इस युद्ध से चीन सोवियत संघ के बीच बढ़ते मतभेद से भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी भाकपा के बीच उठापटक मची।
- सोवियत संघ का पक्षधर खेमा - भाकपा में ही कांग्रेस से नजदीकी बढ़ायी।
- चीन का पक्षधर खेमा - कांग्रेस से नजदीकी के खिलाफ।
- 1964 में भाकपा दूरी - चीन के पक्षधर खेमे ने मार्क्सवादी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बनायी।
- इस युद्ध ने भारत के नेताओं को पूर्वोत्तर की डावांडोल स्थिति के प्रति सचेत किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



यह इलाका

- अत्यंत पिछड़ा
- अलग–अलग
- राष्ट्रीय एकता के हिसाब से भी चुनौतीपूर्ण

अब इसे नयी तरतीब में ढालने की कोशिश

- नागालैंड को प्रांत का दर्जा
- मणिपुर त्रिपुरा केन्द्रशासित प्रदेश
  - अपनी विधानसभा निर्वाचन का अधिकार